अभिलेखागार

महात्मा हंसराज हाल के पूर्वी किनारे पर बने विभाग के कक्ष के भू–तल पर अभिलेखागार स्थित है। इसमें ऐतिहासिक दस्तावेज, चित्र, डायरियां, समाचार पत्र पत्रिकाओं के अंश तथा कुछ महत्वपूर्ण पुस्तकें हैं। यह अभिलेखागार निम्नलिखित हिस्सों में विभाजित है।

अभिलेखागार में सर्वाधिक तौर दिखने वाली चीज विभिन्न तरह से छाया चित्र प्रदर्शित करने वाले बोर्ड है। ये बोर्ड 1857 के घटनाक्रम, कांग्रेस की स्थापना व विकास यात्रा, स्वतन्त्रता आन्दोलन में भूमिका, 19वीं–20वीं शताब्दी के समाज सुधारक, गान्धी जी, सुभाष चन्द्र बोस व भगत सिंह का जीवन वृतांत दर्शाते चित्र, स्वतन्त्रता संग्राम में क्रान्तिकारियों की भूमिका, भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका, हिसार की ऐतिहासिक क्रम में विकास, दयानन्द कॉलेज हिसार से सम्बन्धित चित्र तथा विभागिय गतिविधियों को प्रदर्शित करते हैं।

Scanned with Oken Scanner

1857 से सम्बन्धित बोर्ड में राष्ट्रीय व स्थानीय स्तर पर संघर्ष करने वाले व्यक्तित्वों के चित्र हैं। अम्बाला से भेजी गई वह 'तार' है, जो भारत के विभिन्न हिस्सों में भेजीगई तथा जिसे 'सेवर ऑफ पंजाब' का नाम दिया गया। 9 मई, 1857 को मेरठ में शहादत पाने वाले क्रान्तिकारी सैनिकों की सूची है। क्रान्तिकारियों को अंग्रेजों द्वारा तोपों से उड़ाए जाने का चित्र व हुमायु के मकबरे में बहादुर शाह जफर का आत्म समर्पण है तथा हिसार की इस घटना की जानकारी वाला दस्तावेज है।

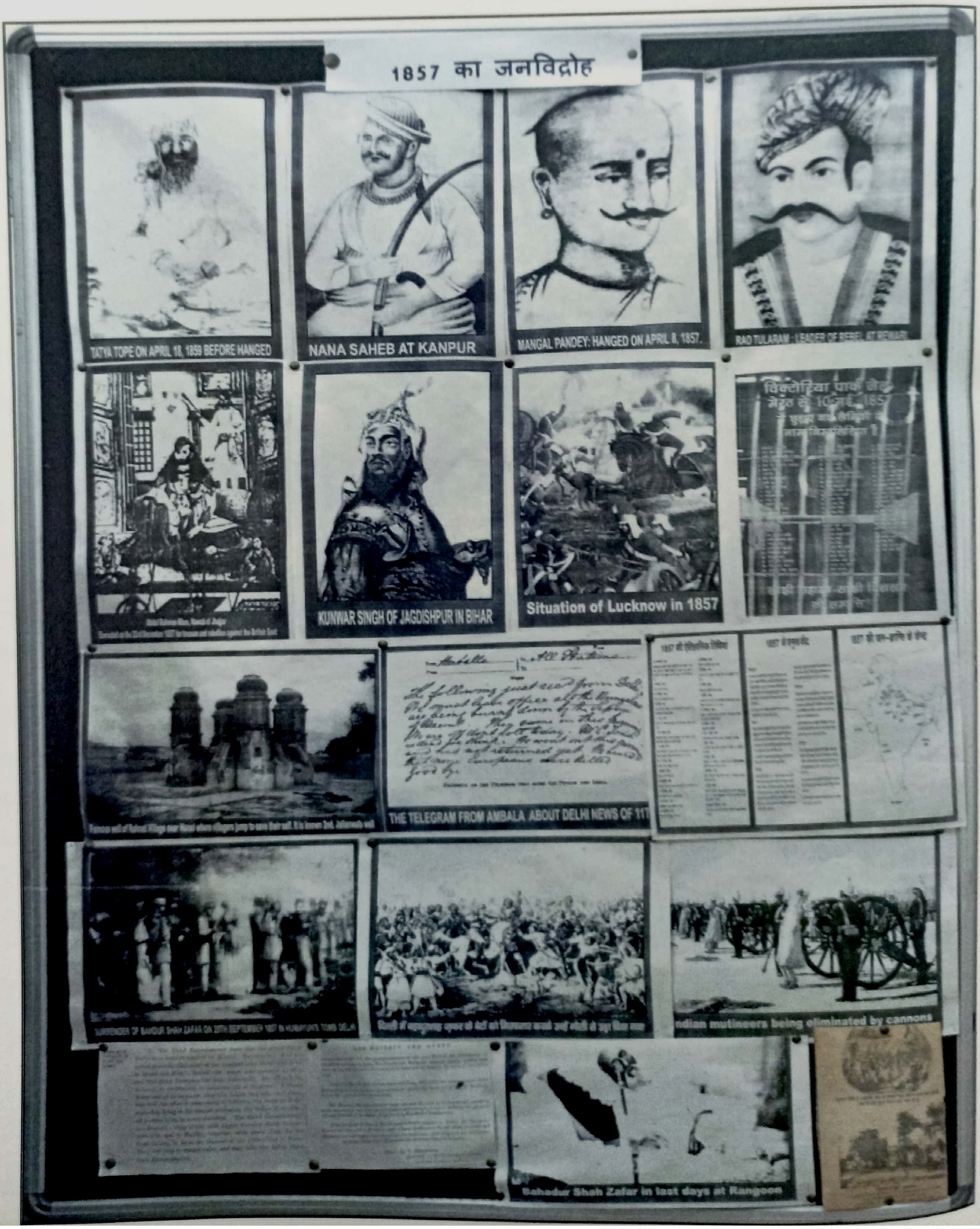

Scanned with Oken Scanner

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में सम्बन्धित बोर्ड में 28 दिसम्बर, 1885 के स्थापना दिवस का चित्र है जो गोकुल दास तेज पाल संस्कृत कॉलेज बम्बई में खिंचा गया। चौथे अधिवेशन में लाला लाजपत राय का भाग लेने का रजिस्ट्रेशन दस्तावेज है जिसमें उनका पता हिसार दिखाया गया है, कांग्रेस की प्रमुख बैठकों, डाण्डी यात्रा का चित्र, 15 अगस्त, 1947 को विभाजन के समय का चित्र तथा सुभाष चन्द्र बोस द्वारा घर की नज़रबन्दी तोड़ जियाउद्दीन का भेष धारण करने का चित्र है।

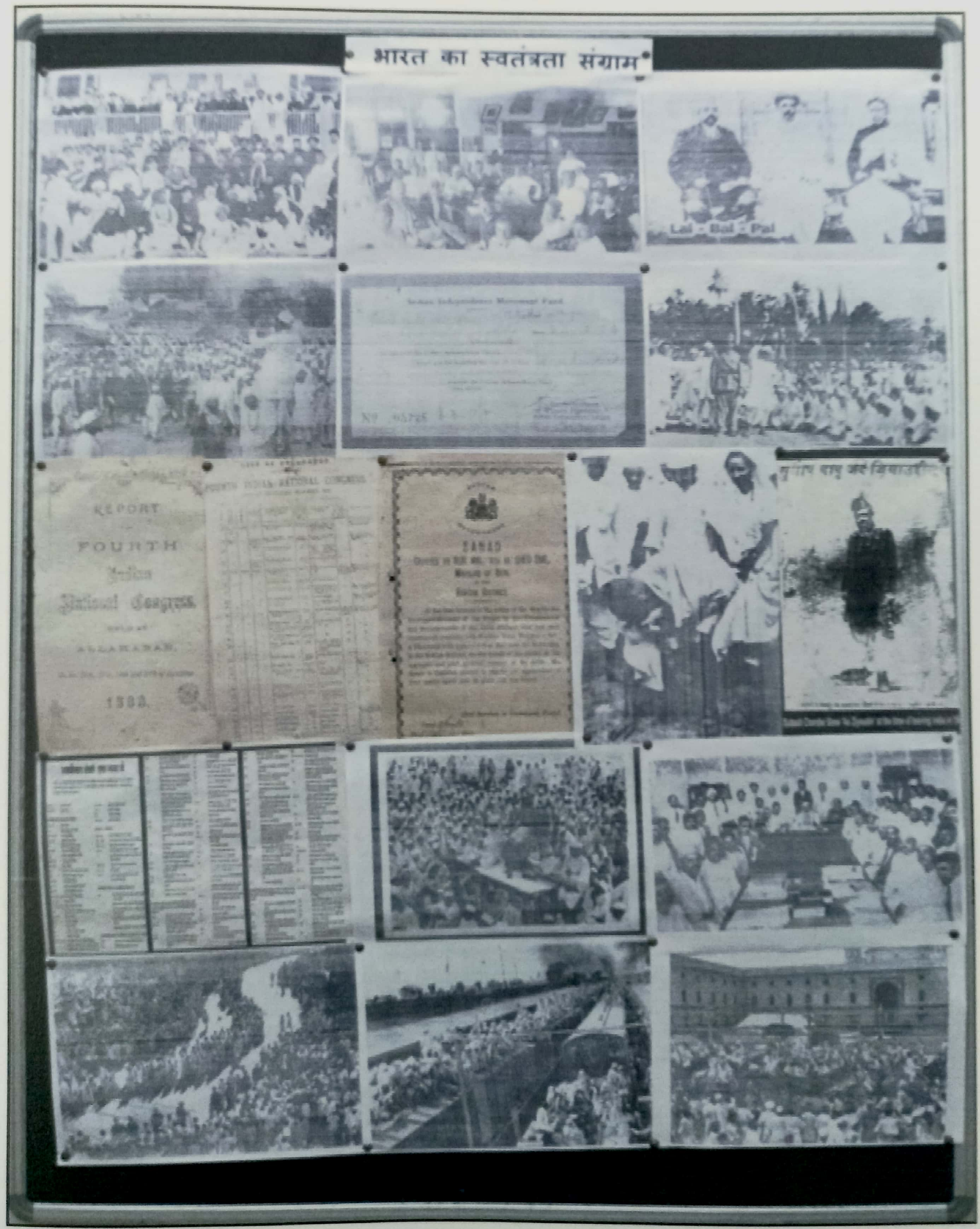

Scanned with Oken Scanner

19वीं तथा 20वीं सदी के समाज सुधारकों में राजा राम मोहन राय, स्वामी दयानन्द सरस्वती, स्वामी विवेकानन्द, महादेव गोबिन्द रानाडे ज्योतिबा फूले, हेनरी, देरिजियो, श्री नारायण गुरू, अरविन्दों घोष रबिन्द्र नाथ टैगोर, ईश्वरचन्द विद्यासागर, बकिंम चन्द्र चटर्जी, मदन मोहन मालवीय, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी श्रद्धानन्द, गोपाल हरिदेशमुख, देवेन्द्रनाथ टैगोर तथा स्वामी विरजानन्द दण्डी के चित्र हैं।

Scanned with Oken Scanner

क्रान्तिकारियों से सम्बन्धित बोर्ड में प्रमुख क्रान्तिकारियों के चित्रों के साथ–साथ काकोरी काण्ड घटना का स्थल तथा इसके नायको के शहादत स्थल के चित्र हैं। चन्द्र शेखर आजाद का वह चित्र जो अल्फ्रेड पार्क इलाहाबाद में अन्तिम संघर्ष व शहादत को दर्शाता है। इसके साथ–साथ क्रान्तिकारियों को विभिन्न तरह की यातना देने वाले चित्रों को भी दर्शाया गया है।

Scanned with Oken Scanner

नेता जी सुभाष चन्द्र बोस से सम्बन्धित बोर्ड उनके जीवन के प्रमुख चित्र, यूरोप में विभिन्न लोगों से भेंट के चित्र, गान्धी जी के साथ चित्र, आजाद हिन्द फौज की महिला बटालियन का निरिक्षण करते हुए चित्र, सिंगापुर में स्वतन्त्र भारत की गठित सरकार की मुद्रा का चित्र, जापानी समाचार पत्रों में नेता जी का गुणगान तथा नेता जी का रंगून (बर्मा) में दिया गया अन्तिम भाषण की प्रति प्रदर्शित की गई है।

Scanned with Oken Scanner

गांधी जी से सम्बन्धित बोर्ड में उनके जन्म स्थान, जीवन काल बचपन से अन्तिम दिनों तक का परिवर्तन दर्शाते चित्र, द0 अफ्रीका में सत्याग्रही की अवस्था, विभिन्न नेताओं के साथ चित्र, 1919 पलवल में गिरफ्तारी का विरोध करते हुए हस्तलिखित सन्देश चित्र तथा उनके वंश वृक्ष की जानकारी दी गई है।

Scanned with Oken Scanner

भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका पर भी एक बोर्ड तैयार किया गया है। इसमें सम्बन्धित महिलाओं के चित्र हैं तथा उनके जीवन की प्रमुख घटनाओं का संक्षेप में वर्णन भी दिया गया है। इन महिलाओं में झांसी की रानी लक्ष्मी बाई, भीकाजी कामा, बहन निवेदिता, अरूणा आसफ अली, मांतगिनी हाजरा, ऐनी बैसन्ट, सरोजनी नायडु, उषा मेहता, सावित्री बाई फूले, कमला नेहरू, कल्पना दत्त जोशी, मृदुला सारा बाई, कैप्टन लक्ष्मी सहगल, सुभद्रा जोशी, राजकुमारी अमृतकौर व दुर्गावती बोहरा के चित्र हैं।

Scanned with Oken Scanner

शहीद भगत सिंह से सम्बन्धित भी विशेष बोर्ड है जिसमें उनके दादा अर्जुन सिंह, पिता श्री किशनसिंह, चाचा अजीत सिंह व माता श्रीमती विद्यावती के चित्र है। इसके अतिरिक्त लाहौर जेल का चित्र, लाहौर में सान्डर्स का वध स्थल, उनके प्रेरणा स्रोत गुरू परमानन्द तथा सरदार करतार सिंह सराभा का चित्र है। इसी तरह शहीद भगत सिंह के प्रमुख पत्र भी यहां है जो उनके पिता, मित्र बटुकेशवर दत्त, अन्य मित्रों को अन्तिम पत्र तथा छोटे भाई कुलबीर को लिखा गया है।

Scanned with Oken Scanner

दयानन्द कॉलेज, हिसार से सम्बन्धित भी एक बोर्ड है, जिसमें प्रथम दीक्षांत समारोह तत्कालीन उपराष्ट्रपति डॉ0 राधाकृष्णन का चित्र कॉलेज में अतिथि के रूप में आने व प्रमुख व्यक्तियों के चित्र कॉलेज को सर्वश्रेष्ठ कॉलेज का सम्मान प्रमाण पत्र त अभिलेखागार व संग्रहालय के चित्र हैं।

हिसार की ऐतिहासिकता व विकास यात्रा को भी यहां दर्शाया गया है। जिसमें फिरोज तुगलक का चित्र, नागौरी गेट का चित्र, 1857 में मारे गए उपायुक्त बैडर्नबर्न की कब्र का चित्र, नेता जी सुभाष चन्द्र बोस, कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में यात्रा तथा नेहरू जी के हिसार में चित्र हैं।

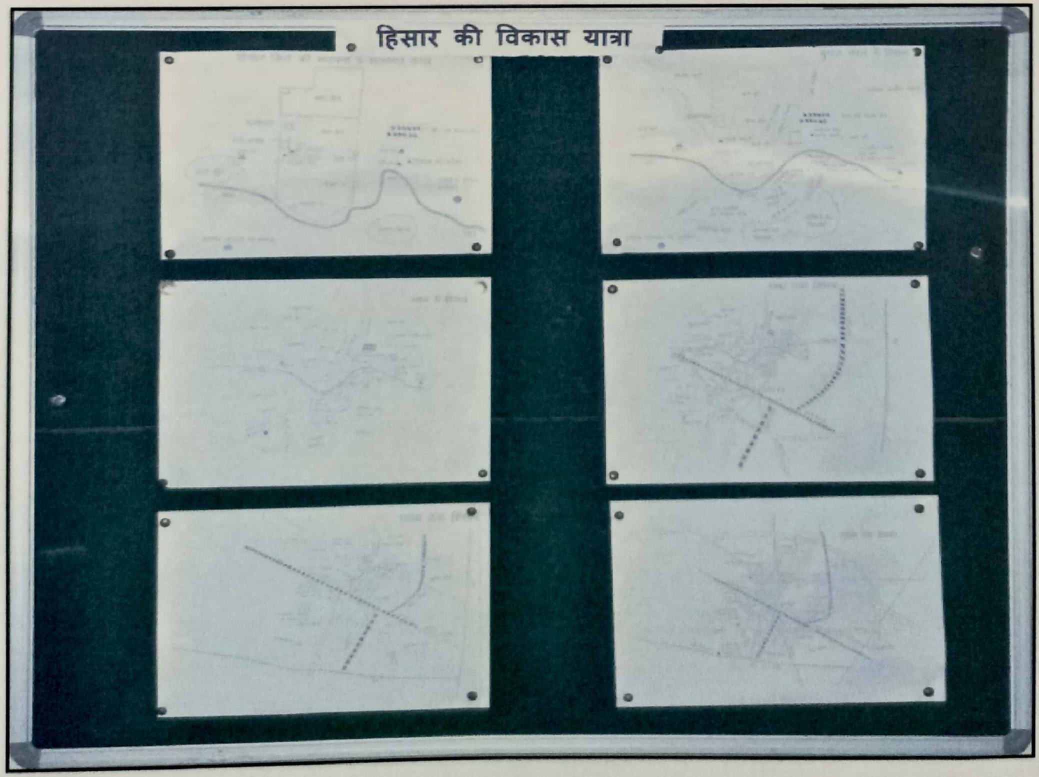

स्थापना काल में वर्तमान तक हिसार की यात्रा भी छह मानचित्रों में दर्शायी गई है।

Scanned with Oken Scanner

इतिहास विभाग, दयानन्द कॉलेज, हिसार की विभिन्न गतिविधियों को दर्शाता बोर्ड भी है। जो विभिन्न गतिविधियों व आयामों को स्पष्ट करता है।

अभिलेखागार में कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज भी संरक्षित किए गए हैं। इनमें 1857 की जन–विद्रोह से सम्बन्धित दस्तावेज है। इसमें हिसार व हरियाणा क्षेत्र में इस घटना की जानकारी के साथ–साथ स्थानीय लोगों की सहभागिता दर्शाती हुआ सरकारी पत्राचार है। कोर्ट, पुलिस व जेलों का रिकार्ड तथा कार्यवाही सम्बन्धित दस्तावेज भी है। इन दस्तावेजों में दिल्ली रेजिडैन्सी एजेन्सी का रिकार्ड 1947 से पहले, पंजाब की राजधानी लाहौर व हिसार के बीच पत्राचार, 1867, 1890 व 1892 की सैटलमैंट रिपोर्ट तथा स्वतन्त्रता संग्राम से सम्बन्धित दस्तावेज रखे गए। व्यक्तिगत डायरी के तौर पर स्वतन्त्रता सेनानी भगत रामेश्वर दास जी की 14 डायरी है। इन डायरियों में अपनी दिनचर्या का तो वर्णन करते हैं साथ में विभिन्न घटनाओं तथा हिसार जिले की भौगोलिक स्थिति पर भी अच्छा प्रकाश डालते हैं।

वार्षिक प्रदर्शनी विभाग की एक नियमित गतिविधि है। जिसमें विभिन्न विषयों पर प्रतिवर्ष बच्चों को नई–नई जानकारी दी जाती है। प्रदर्शनी से सम्बन्धित फलैक्स चार्ट वाले फोटोग्राफ 400 से अधिक इस अभिलेखागार में है, ये चित्र भारतीय इतिहास के विभिन्न

Scanned with Oken Scanner

कालों, सांस्कृतिक विरासत के स्थलों, भवन स्थापना तथा समाज सुधार से सम्बन्धित है। इनमें सर्वाधिक चित्र भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम से सम्बन्धित है। इनमें सर्वाधिक चित्र भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम से सम्बन्धित है। हरियाणा के इतिहास व संस्कृति से सम्बन्धित भी काफी सामग्री यहां प्रदर्शन हेतु संरक्षित है। स्नातक कक्षाओं में पाठ्यक्रम का हिस्सा मानचित्र भी अभिलेखागार में हैं। ये अशोक, कनिष्क, गुप्तकाल, हर्षवर्धन अलाऊद्दीन खलजी, अकबर, औरंगजेब, अंग्रेजों के आगमन के काल का भारत, 1805 में भारत, 1856 में भारत, 1857 का जन विद्रोह से सम्बन्धित स्थल, भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के स्थल तथा 1947 के भारत विभाजन पर प्रकाश डालते हैं। इसी तरह कुछ चित्र हरियाणा से सम्बन्धित भी हैं।

प्रारम्भिक मानव जीवन में प्रयुक्त हुए पाषाण कैसे थे, उनमें प्राचीन पाषाण काल, मध्य पाषण काल व नव पाषाण काल में क्या–क्या बदलाव आया इस बारे में जानकारी देते पाषाण औजार है।

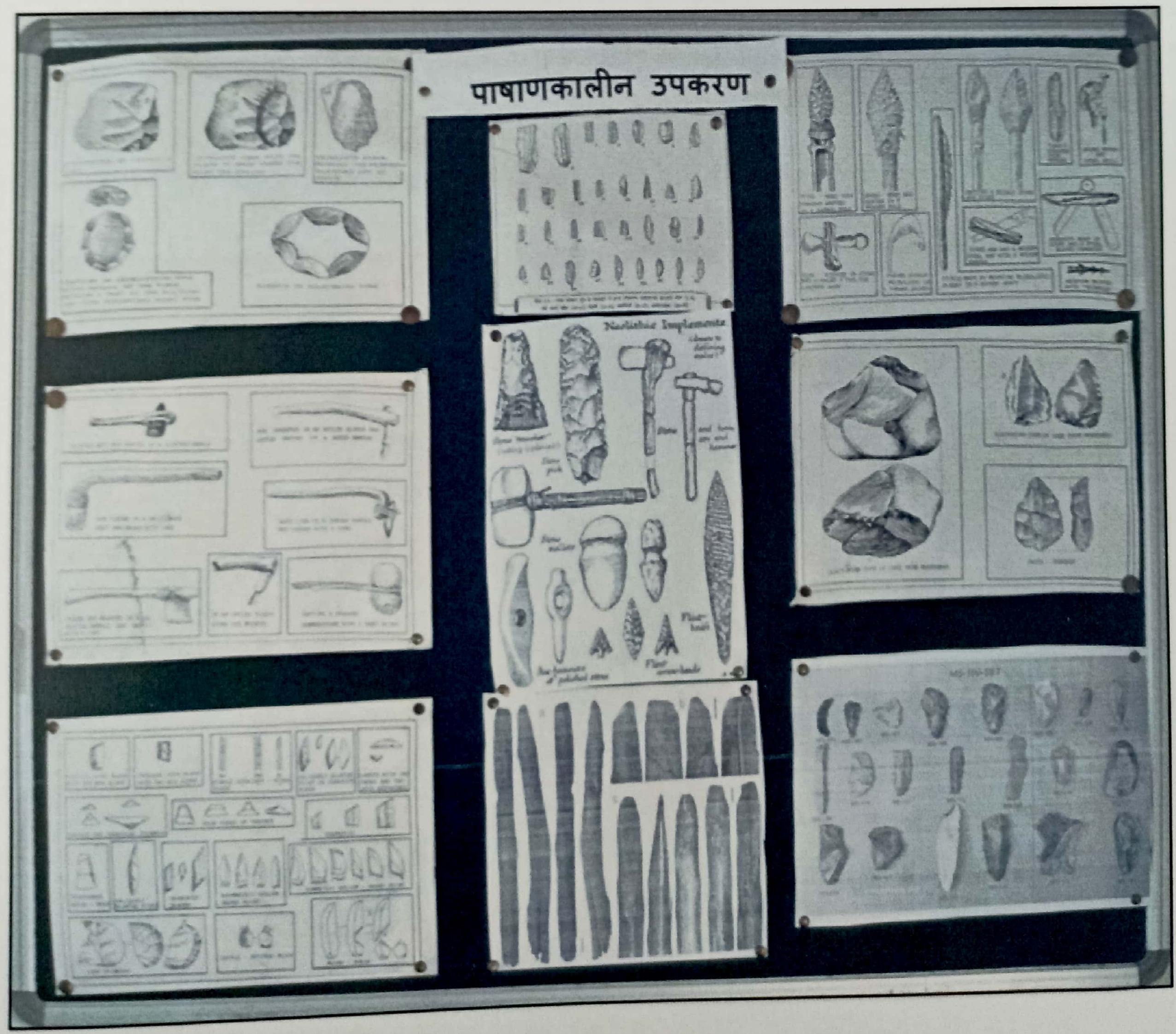

Scanned with Oken Scanner